



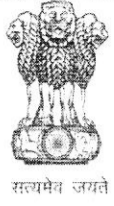
::आयुक्त (अपील) का कार्यालय, केन्द्रीय वस्तु एवं सेवा कर और उत्पाद शुल्क::  
O/O THE COMMISSIONER (APPEALS), CENTRAL GST & EXCISE,

द्वितीय तल, जी एस टी भवन / 2<sup>nd</sup> Floor, GST Bhavan.

रेस कोर्स रिंग रोड, / Race Course Ring Road.

राजकोट / Rajkot - 360 001

Tele Fax No. 0281 - 2477952/2441142 Email: cexappealsrajkot@gmail.com



सत्यमेव जयते

**रजिस्टर्ड डाक ए. डी. द्वारा :-**

क	अपील / फाइल संख्या / Appeal / File No.	मूल आदेश स / O.I.O. No.	दिनांक / Date
	V2/19/EA2/BVR/2017	R/64/2016	01.12.2016

ख अपील आदेश संख्या (Order-In-Appeal No.):

**BHV-EXCUS-000-APP-027-2017-18**

आदेश का दिनांक / 01.09.2017 जारी करने की तारीख / 04.09.2017  
Date of Order: Date of issue:

कुमार संतोष, आयुक्त (अपील), राजकोट द्वारा पारित /  
Passed by Shri Kumar Santosh, Commissioner (Appeals), Rajkot

ग अपर आयुक्त/ संयुक्त आयुक्त/ उपायुक्त/ सहायक आयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क/ सेवाकर, राजकोट / जामनगर / गांधीधाम। द्वारा उपरलिखित जारी मूल आदेश से सृजित: /  
Arising out of above mentioned OIO issued by Additional/Joint/Deputy/Assistant Commissioner, Central Excise / Service Tax, Rajkot / Jamnagar / Gandhidham :

घ अपीलकर्ता & प्रतिवादी का नाम एवं पता /Name&Address of the Appellants & Respondent :-

1. Milan Ginning Pressing Pvt. Ltd., Nr. 440 KV Sub-Station, NH- 8 A, Limbdi, Surendranagar.

इस आदेश(अपील) से व्यथित कोई व्यक्ति निम्नलिखित तरीके में उपयुक्त प्राधिकारी / प्राधिकरण के समक्ष अपील दायर कर सकता है।/  
Any person aggrieved by this Order-in-Appeal may file an appeal to the appropriate authority in the following way.

(A) सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण के प्रति अपील, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 की धारा 35B के अंतर्गत एवं वित्त अधिनियम, 1994 की धारा 86 के अंतर्गत निम्नलिखित जगह की जा सकती है। /

Appeal to Customs, Excise & Service Tax Appellate Tribunal under Section 35B of CEA, 1944 / Under Section 86 of the Finance Act, 1994 an appeal lies to:-

(i) वर्गीकरण मूल्यांकन से सम्बन्धित सभी मामले सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क एवं सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण की विशेष पीठ, वेस्ट ब्लॉक नं 2, आर. के. पुरम, नई दिल्ली, को की जानी चाहिए। /

The special bench of Customs, Excise & Service Tax Appellate Tribunal of West Block No. 2, R.K. Puram, New Delhi in all matters relating to classification and valuation.

(ii) उपरोक्त परिच्छेद 1(a) में बताए गए अपीलों के अलावा शेष सभी अपीलों सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण (सिस्टेट) की पश्चिम क्षेत्रीय पीठिका, द्वितीय तल, बहुमाली भवन असावा अहमदाबाद- 360016 को की जानी चाहिए। /

To the West regional bench of Customs, Excise & Service Tax Appellate Tribunal (CESTAT) at, 2<sup>nd</sup> Floor, Bhaumali Bhawan, Asarwa Ahmedabad-380016 in case of appeals other than as mentioned in para- 1(a) above

(iii) अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष अपील प्रस्तुत करने के लिए केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (अपील) नियमावली, 2001, के नियम 6 के अंतर्गत निर्धारित किए गये प्रपत्र EA-3 को चार प्रतियों में दर्ज किया जाना चाहिए। इनमें से कम से कम एक प्रति के साथ, जहां उत्पाद शुल्क की मांग, ब्याज की मांग और लगाया गया जुर्माना, रुपए 5 लाख या उससे कम, 5 लाख रुपए या 50 लाख रुपए तक अथवा 50 लाख रुपए से अधिक है तो क्रमशः 1,000/- रुपए, 5,000/- रुपए अथवा 10,000/- रुपए का निर्धारित जमा शुल्क की प्रति संलग्न करें। निर्धारित शुल्क का भुगतान, संबंधित अपीलीय न्यायाधिकरण की शाखा के सहायक रजिस्टार के नाम से किसी भी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक द्वारा जारी रेखांकित बैंक ड्राफ्ट द्वारा किया जाना चाहिए। संबंधित ड्राफ्ट का भुगतान, बैंक की उस शाखा में होना चाहिए जहां संबंधित अपीलीय न्यायाधिकरण की शाखा स्थित है। स्थगन आदेश (स्टे ऑर्डर) के लिए आवेदन-पत्र के साथ 500/- रुपए का निर्धारित शुल्क जमा करना होगा। /

The appeal to the Appellate Tribunal shall be filed in quadruplicate in form EA-3 / as prescribed under Rule 6 of Central Excise (Appeal) Rules, 2001 and shall be accompanied against one which at least should be accompanied by a fee of Rs. 1,000/- Rs.5000/-, Rs.10,000/- where amount of duty demand/interest/penalty/refund is upto 5 Lac., 5 Lac to 50 Lac and above 50 Lac respectively in the form of crossed bank draft in favour of Asst. Registrar of branch of any nominated public sector bank of the place where the bench of any nominated public sector bank of the place where the bench of the Tribunal is situated. Application made for grant of stay shall be accompanied by a fee of Rs. 500/-.

(B) अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष अपील, वित्त अधिनियम, 1994 की धारा 86(1) के अंतर्गत सेवाकर नियमवाली, 1994, के नियम 9(1) के तहत निर्धारित प्रपत्र S.T.-5 में चार प्रतियों में की जा सकेगी एवं उसके साथ जिस आदेश के विरुद्ध अपील की गयी हो, उसकी प्रति साथ में संलग्न करें (उनमें से एक प्रति प्रमाणित होनी चाहिए) और इनमें से कम से कम एक प्रति के साथ, जहां सेवाकर की मांग, ब्याज की मांग और लगाया गया जुर्माना, रुपए 5 लाख या उससे कम, 5 लाख रुपए या 50 लाख रुपए तक अथवा 50 लाख रुपए से अधिक है तो क्रमशः 1,000/- रुपए, 5,000/- रुपए अथवा 10,000/- रुपए का निर्धारित जमा शुल्क की प्रति संलग्न करें। निर्धारित शुल्क का भुगतान, संबंधित अपीलीय न्यायाधिकरण की शाखा के सहायक रजिस्टार के नाम से किसी भी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक द्वारा जारी रेखांकित बैंक ड्राफ्ट द्वारा किया जाना चाहिए। संबंधित ड्राफ्ट का भुगतान, बैंक की उस शाखा में होना चाहिए जहां संबंधित अपीलीय न्यायाधिकरण की शाखा स्थित है। स्थगन आदेश (स्टे ऑर्डर) के लिए आवेदन-पत्र के साथ 500/- रुपए का निर्धारित शुल्क जमा करना होगा। /

The appeal under sub section (1) of Section 86 of the Finance Act, 1994, to the Appellate Tribunal Shall be filed in quadruplicate in Form S.T.5 as prescribed under Rule 9(1) of the Service Tax Rules, 1994, and Shall be accompanied by a copy of the order appealed against (one of which shall be certified copy) and should be accompanied by a fees of Rs. 1000/- where the amount of service tax & interest demanded & penalty levied of Rs. 5 Lakhs or less, Rs.5000/- where the amount of service tax & interest demanded & penalty levied is more than five lakhs but not exceeding Rs. Fifty Lakhs, Rs.10,000/- where the amount of service tax & interest demanded & penalty levied is more than fifty Lakhs rupees, in the form of crossed bank draft in favour of the Assistant Registrar of the bench of nominated Public Sector Bank of the place where the bench of Tribunal is situated. / Application made for grant of stay shall be accompanied by a fee of Rs.500/-.

(i) वित्त अधिनियम, 1994 की धारा 86 की उप-धाराओं (2) एवं (2A) के अंतर्गत दर्ज की गयी अपील, सेवाकर नियमवाली, 1994, के नियम 9(2) एवं 9(2A) के तहत निर्धारित प्रपत्र S.T.-7 में की जा सकेगी एवं उसके साथ आयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अथवा आयुक्त (अपील), केन्द्रीय उत्पाद शुल्क द्वारा पारित आदेश की प्रतियाँ संलग्न करें (उनमें से एक प्रति प्रमाणित होनी चाहिए) और आयुक्त द्वारा सहायक आयुक्त अथवा उपायुक्त, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क/ सेवाकर, को अपीलीय न्यायाधिकरण को आवेदन दर्ज करने का निर्देश देने वाले आदेश की प्रति भी साथ में संलग्न करनी होगी। / The appeal under sub section (2) and (2A) of the section 86 the Finance Act 1994, shall be filed in Form ST.7 as prescribed under Rule 9 (2) & 9(2A) of the Service Tax Rules, 1994 and shall be accompanied by a copy of order of Commissioner Central Excise or Commissioner, Central Excise (Appeals) (one of which shall be a certified copy) and copy of the order passed by the Commissioner authorizing the Assistant Commissioner or Deputy Commissioner of Central Excise/ Service Tax to file the appeal before the Appellate Tribunal.

(ii) सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर अपीलीय प्राधिकरण (सेस्टेट) के प्रति अपीलों के मामले में केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम 1944 की धारा 35एफ के अंतर्गत, जो की वित्तीय अधिनियम, 1994 की धारा 83 के अंतर्गत सेवाकर को भी लागू की गई है, इस आदेश के प्रति अपीलीय प्राधिकरण में अपील करते समय उत्पाद शुल्क/सेवा कर मांग के 10 प्रतिशत (10%), जब मांग एवं जुर्माना विवादित है, या जुर्माना, जब केवल जुर्माना विवादित है, का भुगतान किया जाए, बशर्ते कि इस धारा के अंतर्गत जमा कि जाने वाली अपेक्षित देय राशि दस करोड़ रूपए से अधिक न हो।

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर के अंतर्गत "मांग किए गए शुल्क" में निम्न शामिल है

- (i) धारा 11 डी के अंतर्गत रकम
- (ii) सेनवेट जमा की ली गई गलत राशि
- (iii) सेनवेट जमा नियमावली के नियम 6 के अंतर्गत देय रकम

- बशर्ते यह कि इस धारा के प्रावधान वित्तीय (सं. 2) अधिनियम 2014 के आरंभ से पूर्व किसी अपीलीय प्राधिकारी के समक्ष विचाराधीन स्थगन अर्ज़ी एवं अपील को लागू नहीं होगा।/

For an appeal to be filed before the CESTAT, under Section 35F of the Central Excise Act, 1944 which is also made applicable to Service Tax under Section 83 of the Finance Act, 1994, an appeal against this order shall lie before the Tribunal on payment of 10% of the duty demanded where duty or duty and penalty are in dispute, or penalty, where penalty alone is in dispute, provided the amount of pre-deposit payable would be subject to a ceiling of Rs. 10 Crores,

Under Central Excise and Service Tax, "Duty Demanded" shall include :

- (i) amount determined under Section 11 D;
- (ii) amount of erroneous Cenvat Credit taken;
- (iii) amount payable under Rule 6 of the Cenvat Credit Rules

- provided further that the provisions of this Section shall not apply to the stay application and appeals pending before any appellate authority prior to the commencement of the Finance (No.2) Act, 2014.

(C) **भारत सरकार को पुनरीक्षण आवेदन :**  
**Revision application to Government of India:**

इस आदेश की पुनरीक्षण याचिका निम्नलिखित मामलों में, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1994 की धारा 35EE के प्रथम परंतुक के अंतर्गत अवर सचिव, भारत सरकार, पुनरीक्षण आवेदन इकाई, वित्त मंत्रालय, राजस्व विभाग, चौथी मंजिल, जीवन दीप भवन, संसद मार्ग, नई दिल्ली-110001, को किया जाना चाहिए। /

A revision application lies to the Under Secretary, to the Government of India, Revision Application Unit, Ministry of Finance, Department of Revenue, 4th Floor, Jeevan Deep Building, Parliament Street, New Delhi-110001, under Section 35EE of the CEA 1944 in respect of the following case, governed by first proviso to sub-section (1) of Section-35B ibid:

(i) यदि माल के किसी नुकसान के मामले में, जहां नुकसान किसी माल को किसी कारखाने से भंडार गृह के पारगमन के दौरान या किसी अन्य कारखाने या फिर किसी एक भंडार गृह से दूसरे भंडार गृह पारगमन के दौरान, या किसी भंडार गृह में या भंडारण में माल के प्रसंस्करण के दौरान, किसी कारखाने या किसी भंडार गृह में माल के नुकसान के मामले में।/

In case of any loss of goods, where the loss occurs in transit from a factory to a warehouse or to another factory or from one warehouse to another during the course of processing of the goods in a warehouse or in storage whether in a factory or in a warehouse

(ii) भारत के बाहर किसी राष्ट्र या क्षेत्र को निर्यात कर रहे माल के विनिर्माण में प्रयुक्त कच्चे माल पर भरी गई केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के छुट (रिबेट) के मामले में, जो भारत के बाहर किसी राष्ट्र या क्षेत्र को निर्यात की गयी है। /

In case of rebate of duty of excise on goods exported to any country or territory outside India of on excisable material used in the manufacture of the goods which are exported to any country or territory outside India.

(iii) यदि उत्पाद शुल्क का भुगतान किए बिना भारत के बाहर, नेपाल या भूटान को माल निर्यात किया गया है। /

In case of goods exported outside India export to Nepal or Bhutan, without payment of duty.

(iv) सुनिश्चित उत्पाद के उत्पादन शुल्क के भुगतान के लिए जो इयूटी क्रेडिट इस अधिनियम एवं इसके विभिन्न प्रावधानों के तहत मान्य की गई है और ऐसे आदेश जो आयुक्त (अपील) के द्वारा वित्त अधिनियम (नं. 2), 1998 की धारा 109 के द्वारा नियत की गई तारीख अथवा समायाविधि पर या बाद में पारित किए गए हैं।/

Credit of any duty allowed to be utilized towards payment of excise duty on final products under the provisions of this Act or the Rules made there under such order is passed by the Commissioner (Appeals) on or after, the date appointed under Sec. 109 of the Finance (No.2) Act, 1998.

(v) उपरोक्त आवेदन की दो प्रतियां प्रपत्र संख्या EA-8 में, जो की केन्द्रीय उत्पादन शुल्क (अपील) नियमावली, 2001, के नियम 9 के अंतर्गत विनिर्दिष्ट है, इस आदेश के संप्रेषण के 3 माह के अंतर्गत की जानी चाहिए। उपरोक्त आवेदन के साथ मूल आदेश व अपील आदेश की दो प्रतियां संलग्न की जानी चाहिए। साथ ही केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 की धारा 35-EE के तहत निर्धारित शुल्क की अदायगी के साक्ष्य के तौर पर TR-6 की प्रति संलग्न की जानी चाहिए। /

The above application shall be made in duplicate in Form No. EA-8 as specified under Rule, 9 of Central Excise (Appeals) Rules, 2001 within 3 months from the date on which the order sought to be appealed against is communicated and shall be accompanied by two copies each of the OIO and Order-In-Appeal. It should also be accompanied by a copy of TR-6 Challan evidencing payment of prescribed fee as prescribed under Section 35-EE of CEA, 1944, under Major Head of Account.

(vi) पुनरीक्षण आवेदन के साथ निम्नलिखित निर्धारित शुल्क की अदायगी की जानी चाहिए।

जहाँ संलग्न रकम एक लाख रुपये या उससे कम हो तो रुपये 200/- का भुगतान किया जाए और यदि संलग्न रकम एक लाख रुपये से ज्यादा हो तो रुपये 1000 -/ का भुगतान किया जाए।

The revision application shall be accompanied by a fee of Rs. 200/- where the amount involved in Rupees One Lac or less and Rs. 1000/- where the amount involved is more than Rupees One Lac.

(D) यदि इस आदेश में कई मूल आदेशों का समावेश है तो प्रत्येक मूल आदेश के लिए शुल्क का भुगतान, उपर्युक्त ढंग से किया जाना चाहिये। इस तथ्य के होते हुए भी की लिखा पट्टी कार्य से बचने के लिए यथास्थिति अपीलीय न्यायाधिकरण को एक अपील या केन्द्रीय सरकार को एक आवेदन किया जाता है। /

In case, if the order covers various numbers of order- in Original, fee for each O.I.O. should be paid in the aforesaid manner, not withstanding the fact that the one appeal to the Appellant Tribunal or the one application to the Central Govt. As the case may be, is filled to avoid scriptoria work if excising Rs. 1 lakh fee of Rs. 100/- for each.

(E) यथासंशोधित न्यायालय शुल्क अधिनियम, 1975, के अनुसूची-1 के अनुसार मूल आदेश एवं स्थगन आदेश की प्रति पर निर्धारित 6.50 रुपये का न्यायालय शुल्क टिकट लगा होना चाहिए। /

One copy of application or O.I.O. as the case may be, and the order of the adjudicating authority shall bear a court fee stamp of Rs. 6.50 as prescribed under Schedule-I in terms of the Court Fee Act, 1975, as amended.

(F) सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण (कार्य विधि) नियमावली, 1982 में वर्णित एवं अन्य संबंधित मामलों को सम्मिलित करने वाले नियमों की ओर भी ध्यान आकर्षित किया जाता है। /

Attention is also invited to the rules covering these and other related matters contained in the Customs, Excise and Service Appellate Tribunal (Procedure) Rules, 1982.

(G) उच्च अपीलीय प्राधिकारी को अपील दाखिल करने से संबंधित-व्यापक, विस्तृत और नवीनतम प्रावधानों के लिए, अपीलार्थी विभागीय वेबसाइट

www.cbec.gov.in को देख सकते हैं। / For the elaborate, detailed and latest provisions relating to filing of appeal to the higher appellate authority, the appellant may refer to the Departmental website www.cbec.gov.in

:: ORDER IN APPEAL ::

The Principal Commissioner, Central Excise & Service Tax, Bhavnagar (hereinafter referred to as 'the appellant-department') has filed the present appeal against the Order-In-Original No.R/64/2016 dated 01.12.2016 (hereinafter referred to as "the impugned order") passed by the Assistant Commissioner, Service Tax Division, Bhavnagar (hereinafter referred to as "the sanctioning authority") in the case of M/s. Milan Ginning Pressing Private Limited, Near 440 KV Sub-Station, NH 8A, Limbdi, Distt.: Surendranagar (hereinafter referred to as 'the respondent').

2. The facts of the case are that the respondent filed refund claim of Rs. 6,46,321/- under Notification No.41/2012-ST dated 29.06.2012 being service tax paid to various service providers for rendering taxable services in relation to export of goods for the period Dec-2015 to March-2016. The query memo was issued by the department vide letter dated 27.10.2016 stating that Custom House Agent mentioned in the shipping bills is different from the Custom House Agent who had issued invoices. The respondent vide their letter dated 24.11.2016 submitted compliance report to the sanctioning authority, who sanctioned the refund claim vide impugned order.

3. Being aggrieved with the impugned order, the appellant-department preferred the present appeal on 31.03.2017 on the ground that the sanctioning authority has erred in accepting self certified copies of computer generated invoices which did not bear the signature of the service provider and considered these invoices as valid invoices as per condition prescribed in para 3(h)A & B; that the sanctioning authority has erred in accepting these invoices without certificate as required under conditions of Notification No. 41/2012-ST dated 29.06.2012.

4. The respondent vide their letter dated 22.04.2017 submitted Memorandum of cross objections wherein it has been stated that they have submitted relevant undertaking along with Form-A stating that "*rebate has been claimed for service tax which has been actually paid on the specified services used for export of goods*"; that they have provided relevant invoices in respect of services received, copies of ledger account of service providers, copies of Bank statement evidencing payment to service provider, therein satisfying condition 3(h) of Notification No. 41/2012-ST; that the condition of use for services for export and payment of service tax is satisfied from the said documents; that refund claim should not be rejected only on the ground that they have submitted self certified computerized generated invoices.



178

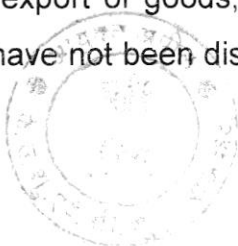
5. Personal hearing in the matter was held, which was attended by Shri Rishit Begadia, Chartered Accountant on behalf of the respondent and submitted that the department has preferred appeal on the ground that Notification No. 41/2012-ST dated 29.06.2012 has condition of original invoices whereas refund has been sanctioned on computer generated invoices; that the exporter has submitted all original invoices related to present refund claim duly signed by their service providers; that the refund is sanctioned correctly on the computer generated invoices; that since all original invoices have been submitted, the appeal of the department may please be rejected. No one from department appeared for the hearing.

**FINDINGS:**

5. I have carefully gone through the facts of the case, impugned order, appeal memorandum, Memorandum of cross objections and submission made including at the time of personal hearing.

6. The issue to be decided in the present case is as to whether the impugned order sanctioning the refund claim filed under Notification No. 41/2012-ST dated 29.06.2012, on the basis of self certified copies of computer generated invoices, is proper or otherwise.

7. I find that the appellant-department has contended that the sanctioning authority has considered self certified copy of computer generated invoices instead of original invoices, for sanction of the refund claim, whereas the sanctioning authority has relied upon Order-In-Appeal No. BHV-EXCUS-000-APP-095-16-17 dated 07.07.2016 wherein it has been held that mere want of a certification with regard to correctness of computer generated invoices would not hold the ground for rejection of legitimate benefit of refund. The respondent has submitted copy of all such computer generated invoices with the Memorandum of Cross objections also. I find that the invoices contain name of exporter, nature of service provided, shipping bill number, vessel name, taxable value of services and amount of service tax paid. It has also been mentioned on the body of invoices that "computer generated invoice, no signature required". The respondent has declared in Form-A submitted along with the application of refund of service tax that the refund has been claimed for service tax which has been actually paid on the specified services used for export of goods. I find that the facts of availment of taxable services in relation to export of goods, payment of service tax on these services and export of goods, have not been disputed by the department. The self



19

certified copies of all such invoices establish the availment of services in relation to the export of goods. The submission of computer generated invoices issued by the service providers is the procedural requirement, for which the respondent, being service receiver, cannot be held responsible. Therefore, I find that the refund sanctioning authority has rightly condoned the procedural lapses in the form of submission of computer generated invoices instead of original invoices. It is settled law that the substantial benefit cannot be denied for want of minor procedural lapse. Therefore, I do not find force in the contentions of the department. Accordingly, I have no option but to uphold the impugned order as the issue has been clarified by CBEC also vide Circular No. 112/6/2009-ST dated 12.03.2009 as under:

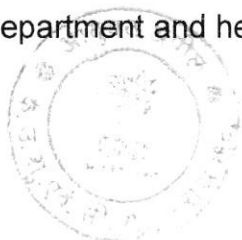
VI	<p>Authorities granting refund are insisting on original documents such as invoice, BL, SB, BRC etc. Such documents are required under the law to be kept in the Head office for audit. Refunds are denied on this ground.</p>	<p><u>Normally certified copy of the documents should be accepted. Only in case of in-depth enquiry original documents can be verified.</u></p>
----	--	---

8. The CESTAT, New Delhi in the case of Suncity Art Exporters reported at 2016 (45) S.T.R. 411 (Tri. - Del.) held that:-

*"3. Without going into the individual reasons for denial of refund claim in each and every case in respect of each and every issue, we find that in some cases refund stand rejected for non-submission of original invoices raised by the service providers. The appellant's contention is that such invoices which are computerised invoices have been down-loaded through the internet and have been held to be valid invoices in number of cases. Reference is made to the Tribunal's decision in the case of CCE v. Gokul Refoilds & Solvents Ltd. reported in 2012 (286) E.L.T. 62 (Tri.), which allowed the refund claim even on the certified photocopies. Similarly, in the case of Creative Architects & Interiors reported in 2012 (26) S.T.R. 477, precedent decisions were taken note of and it was held that Cenvat credit is not to be denied on the basis of computer generated invoices. Learned Advocate submits that the said invoices contained all the details like container number or shipping bill number, bill of lading number, etc., and fully establishes the availment of the service used in the export of the goods."*


*4. In view of the above, we find that the denial of refund of service tax on the said ground is not in consonance with the precedent decisions referred (supra) as also in terms of the Board Circular No. 112/6/2009-S.T., dated 12-3-2009. We accordingly direct the Assistant Commissioner to verify the appellant's refund claim afresh.*

9. In view of above facts & circumstances, I do not find any merit in the appeal filed by the appellant-department and hence the appeal is rejected.



९.१ अपीलकर्ता द्वारा दर्ज की गई अपील का निपटारा उपरोक्त तरीके से किया जाता है।

9.1. The appeal filed by the appellant stands disposed off in above terms.

  
 (कुमार संतोष)  
 आयुक्त (अपील्स)

**By Speed Post**

To,

(i) The Commissioner, GST & Central Excise Commissionerate, Bhavnagar	(i) आयुक्त, केन्द्रीय वस्तु एवं सेवा कर आयुक्तालय, भावनगर
(ii) M/s. Milan Ginning Pressing Private Limited, Near 440 KV Sub-Station, NH 8A, Limbdi, Distt.: Surendranagar	ii) मे. मिलन जिन्निंग प्रेसिंग प्रा. लिमिटेड, ४४० कि.वो. सब-स्टेशन नजदीक, एन.एच. ८-ए, लिंबडी, डिस्ट्रिक्ट - सुरेन्द्रनगर

**Copy to:**


- 1) The Chief Commissioner, GST & Central Excise, Ahmedabad Zone, Ahmedabad.
- 2). The Assistant Commissioner, GST & Central Excise Division, Surendranagar.
- 3) Guard File.




९.१ अपीलकर्ता द्वारा दर्ज की गई अपील का निपटारा उपरोक्त तरीके से किया जाता है।

9.1. The appeal filed by the appellant stands disposed off in above terms.

संन्यापित,

  
419  
आर. एन. मीणा,  
अधीक्षक (अपील)

  
11/11/2017  
(कुमार संतोष)  
आयुक्त (अपील्स)

**By Speed Post**

To,

(i) The Commissioner, GST & Central Excise Commissionerate, Bhavnagar	(i) आयुक्त, केन्द्रीय वस्तु एवं सेवा कर आयुक्तालय, भावनगर
(ii) M/s. Milan Ginning Pressing Private Limited, Near 440 KV Sub-Station, NH 8A, Limbdi, Distt.: Surendranagar	ii) मे. मिलन जिन्निंग प्रेसिंग प्रा. लिमिटेड, ४४० कि.वो. सब-स्टेशन नजदीक, एन.एच. ८-ए, लिंबडी, डिस्ट्रिक्ट - सुरेन्द्रनगर

**Copy to:**

- 1) The Chief Commissioner, GST & Central Excise, Ahmedabad Zone, Ahmedabad.
- 2) The Assistant Commissioner, GST & Central Excise Division, Surendranagar.
- 3) Guard File.

